Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Inscript 21st April 2018 Shift2
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2018-04-21 17:44:28
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	206205208
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	206205308
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	206205308
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 2062052083 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	206205209
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	206205309
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	206205309
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 2062052084 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बौद्धकाल में भारत शिक्षा का केंद्र था। बौद्ध युनिवर्सिटी विक्रमशिला, तक्षशिला और नालंदा युनिवर्सिटी की ख्याति दूर दूर तक फैली थी। तक्षशिला के बाद नालंदा युनिवर्सिटी की चर्चा होती है। बिहार की राजधानी पटना से करीब 95 किलोमीटर दक्षिण-उत्तर में प्राचीन नालंदा युनिवर्सिटी के अवशेष आज भी देखे जा सकते हैं। इस युनिवर्सिटी की स्थापना गुप्त काल के शासक कुमारगुप्त ने की थी। यहां इतनी किताबें रखी थीं कि जिन्हें गिन पाना आसान नहीं था। हर विषय की किताबें इस युनिवर्सिटी में मौजूद थीं। नालंदा शब्द संस्कृत से बना है। संस्कृत में 'नालम' का अर्थ 'कमल' होता है। कमल ज्ञान का प्रतीक है। कालक्रम से यहां महाविहार की स्थापना के बाद इसका नाम 'नालंदा महाविहार' रखा गया। यह भारत में उच्च शिक्षा का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और विश्वविख्यात केंद्र था। महायान बौद्ध धर्म के इस शिक्षा-केंद्र में हीनयान बौद्ध धर्म के साथ ही अन्य धर्मों के तथा अनेक देशों के छात्र पढ़ते थे। यहां धर्म ही नहीं, राजनीति, शिक्षा, इतिहास, ज्योतिष, विज्ञान आदि की भी शिक्षा दी जाती थी। इस युनिवर्सिटी के खंडहरों को अलेक्जेंडर कनिंघम ने तलाशकर बाहर निकाला था जिसके जले हुए भग्नावशेष इसके प्राचीन वैभव की दास्तां बयां करते हैं। चीन के परिभ्रमणकारी ह्वेनसांग के लेखों के आधार पर ही इन खंडहरों की पहचान नालंदा युनिवर्सिटी के रूप में की गई थी। 7वीं शताब्दी में भारत आए ह्वेनसांग नालंदा युनिवर्सिटी में न केवल छात्र रहे, बल्कि बाद में उन्होंने एक शिक्षक के रूप में भी यहां अपनी सेवाएं दी थीं। जब ह्वेनसांग भारत आया था, उस समय नालंदा युनिवर्सिटी में 8,500 छात्र एवं 1,510 अध्यापक थे। अनेक पुराभिलेखों और 7वीं सदी में भारत भ्रमण के लिए आए चीनी यात्री ह्वेनसांग तथा इत्सिंग के यात्रा विवरणों से इस युनिवर्सिटी के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है। प्रसिद्ध चीनी परिभ्रमणकारी ह्वेनसांग ने 7वीं शताब्दी में यहां जीवन का महत्वपूर्ण 1 वर्ष एक छात्र और एक शिक्षक के रूप में व्यतीत किया था। इस युनिवर्सिटी की स्थापना गुप्तकालीन सम्राट कुमारगुप्त प्रथम ने 413-455 ईपू में की। इस युनिवर्सिटी को कुमारगुप्त के उत्तराधिकारियों का पूरा सहयोग और संरक्षण मिला। ह्वेनसांग के अनुसार 470 ई. में गुप्त सम्राट नरसिंह गुप्त बालादित्य ने नालंदा में एक सुंदर मंदिर निर्मित करवाकर इसमें 80 फुट उंची तांबे की बुद्ध प्रतिमा को स्थापित करवाया। गुप्त वंश के पतन के बाद भी आने वाले सभी शासक वंशों ने इसके संरक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान जारी रखा और बाद में इसे महान सम्राट हर्षवर्धन और पाल शासकों का भी संरक्षण मिला। स्थानीय शासकों तथा विदेशी शासकों से भी इस युनिवर्सिटी को अनुदान मिलता था। नालंदा युनिवर्सिटी में शिक्षा, आवास, भोजन आदि का कोई शुल्क छात्रों से नहीं लिया जाता था। सभी सुविधाएं नि: शुल्क थीं। राजाओं और धनी सेठों के दान से इस युनिवर्सिटी का व्यय चलता था।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Inscript

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes